

# Paper - VI (Human Geography)

Sec - A, Unit - 3

## ① CLASSIFICATION OF RACES

पृथ्वी तल पर निवास करने वाले मानव को उनके जैविक विशेषताओं के आधार पर अनेक वर्ग समूहों में वर्गीकृत किया गया है। वैज्ञानिक एवं मानवशास्त्रीय अर्थानुसार - "प्रजाति (Race) एक प्राणिशास्त्रीय व जैविक अवधारणा है। जिसके तहत एक प्रकार के शारीरिक लक्षणों से युक्त मानव समूह को प्रजाति कहा जाता है।" मानवीय शारीरिक लक्षण मानव समूह में वंशानुक्रम द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तान्तरित होते हैं।

डा० मजुमदार के शब्दों में "यदि व्यक्तियों के एक समूह को शारीरिक लक्षणों के आधार पर अन्य समूहों से पृथक पहचाना जा सके, तो चाहे उस जैविक समूह के सदस्य कितने ही क्यों न विखरे हों, वे एक ही प्रजाति के अंतर्गत आते हैं।"

### प्रजाति वर्गीकरण के आधार

① कद - [ लाला कद की प्रजाति  
छोटे कद वाली प्रजाति

② त्वचा का रंग - [ गोरी त्वचा वाली प्रजाति  
श्याम त्वचा वाली प्रजाति  
काली त्वचा वाली प्रजाति

③ पाल का आकार -

- व्युंध्यशाला पाल
- लक्ष्मण पाल
- मुलायम पाल

④ नाक की आकृति -

- दही नाक वाली प्रजाति
- पतली नाक वाली प्रजाति
- टेढ़ी नाक वाली प्रजाति

⑤ डोढ़ का स्वरूप -

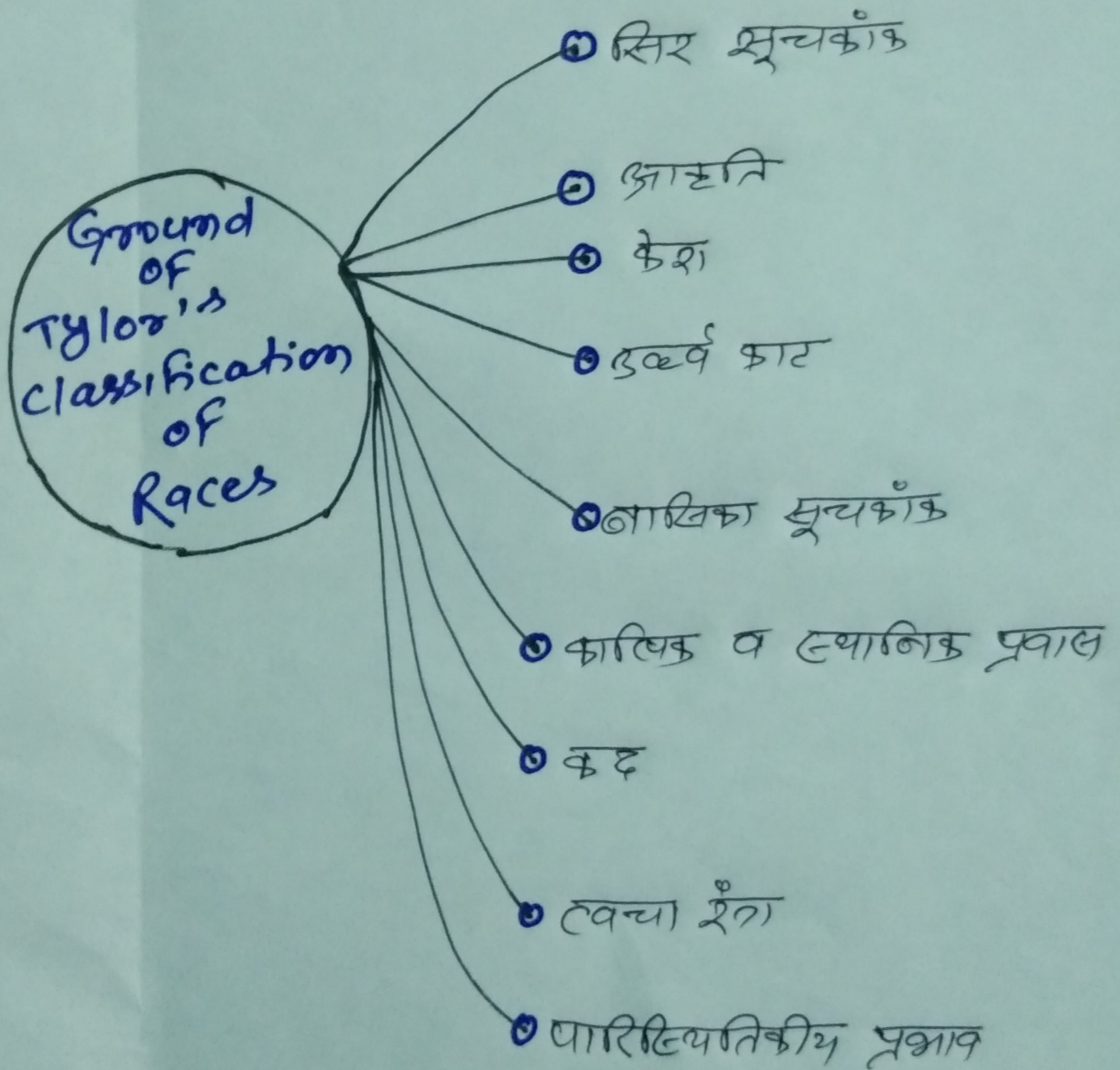
- मोटा डोढ़ और लटका डुआ
- पतला डोढ़ और लटका डुआ

### \* प्रजाति वर्गीकरण के वैज्ञानिक व आधुनिक आधार

प्रजातियों के वर्गीकरण का आधुनिक वैज्ञानिक आधार समकालीन एक सूत्रता है जिसमें Gene (जीन) की भूमिका सर्वोच्च महत्वपूर्ण इसलिए होता है। क्योंकि यह अपेक्षाकृत आधुनिक विचार तत्व है। इसके प्रकार के कारण शादीक लक्षण भी समान होते हैं। जीन की संरचना चार विभिन्न शक्ति वर्गों में की जाती है। A, B, O इसके आतिरिक्त वर्तमान समय में M, N और Rh का भी अध्ययन किया जाता है। जिस आणविक क्षेत्र में जिस शक्ति वर्ग की प्रधानता होती है, इसी के अनुसार प्रजाति का वर्गीकरण किया जाता है।

मानव प्रजातियों का वर्गीकरण प्रस्तुत करने वाले विद्वानों में Linnæus, Huxley, Griffith Taylor, Kroeber, Hutton आदि प्रमुख हैं।

Griffith Taylor के अनुसार प्रजाति वर्गीकरण एवं विश्व वितरण :-



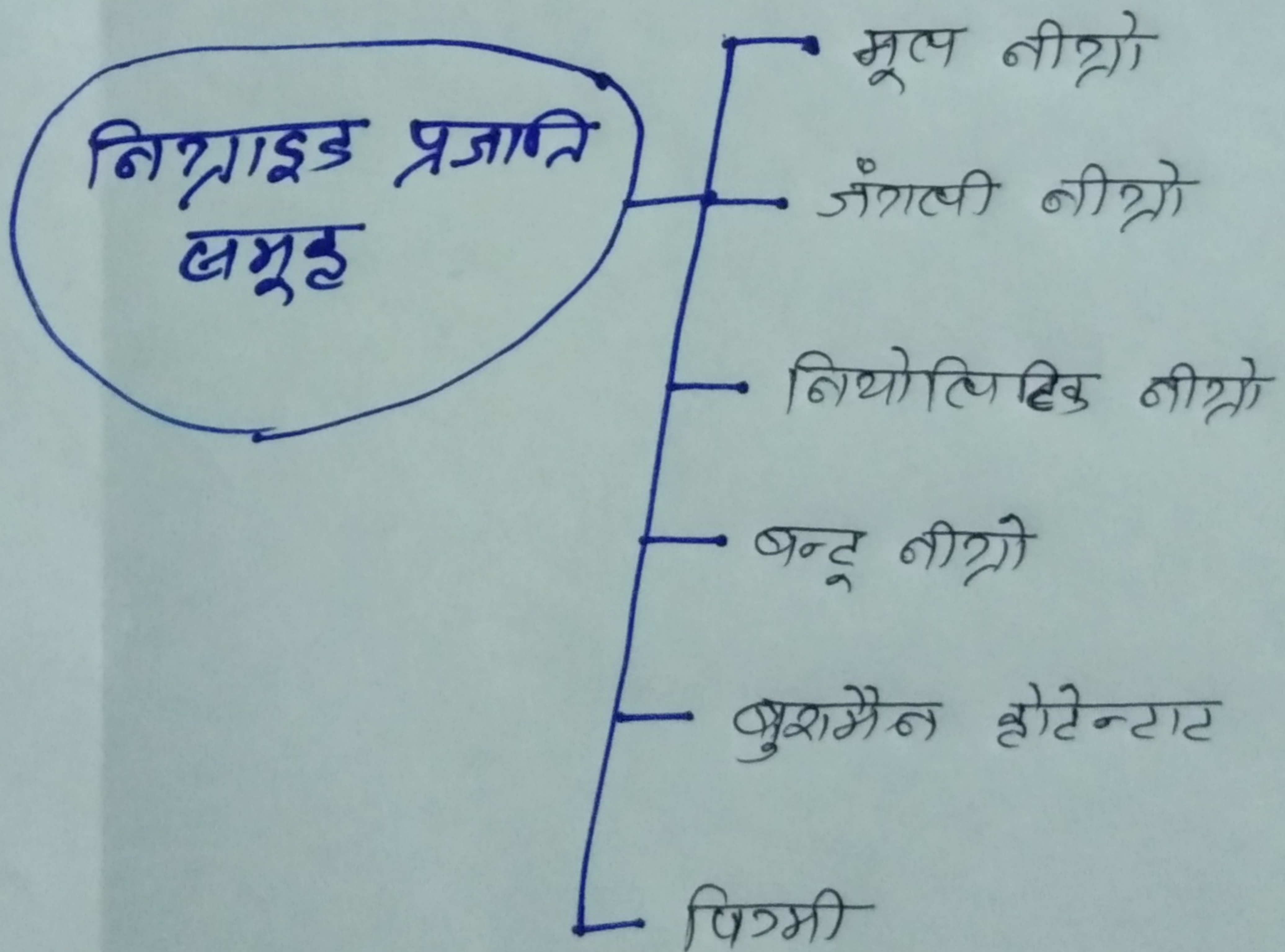
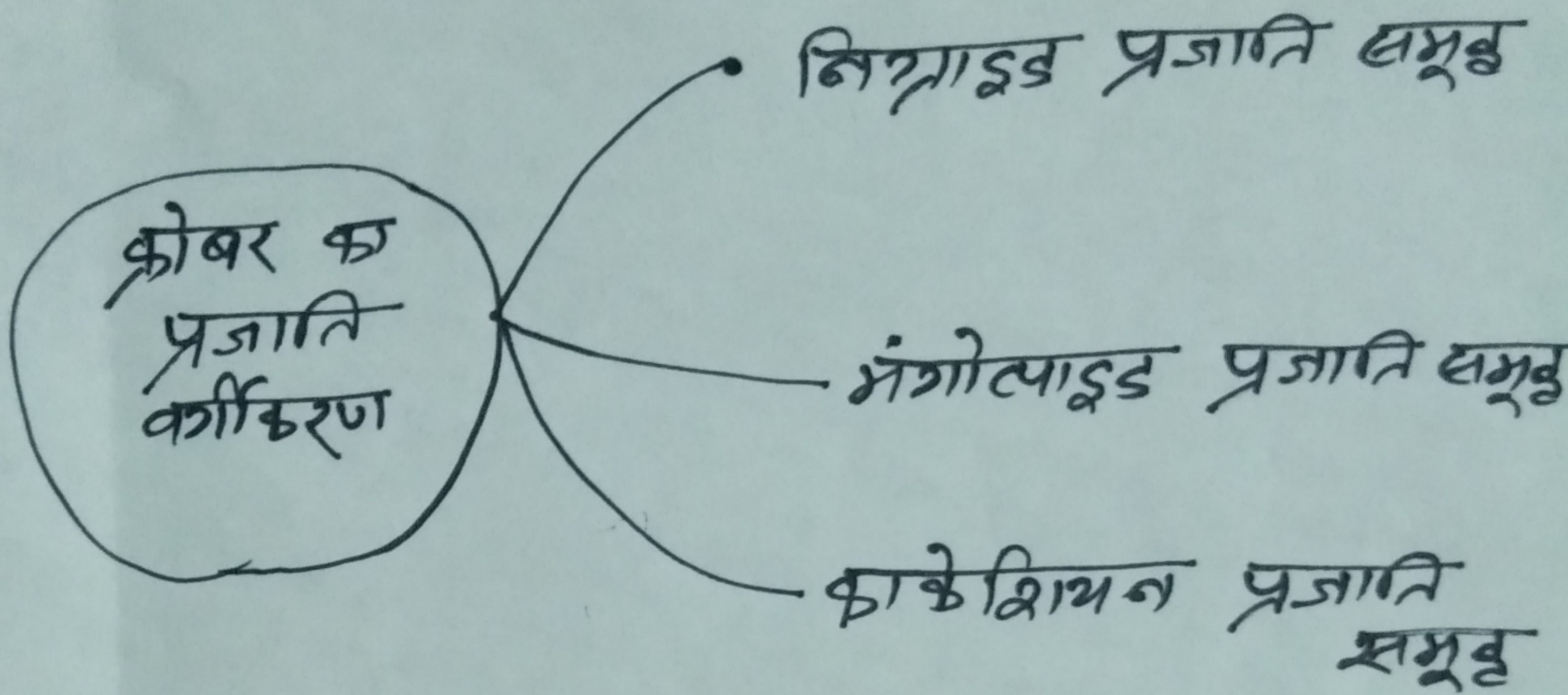
उपर्युक्त तत्वों को आधार मानते हुए टेपर ने विश्व की मानव प्रजाति को 7 वर्गों में विभाजित किया है।

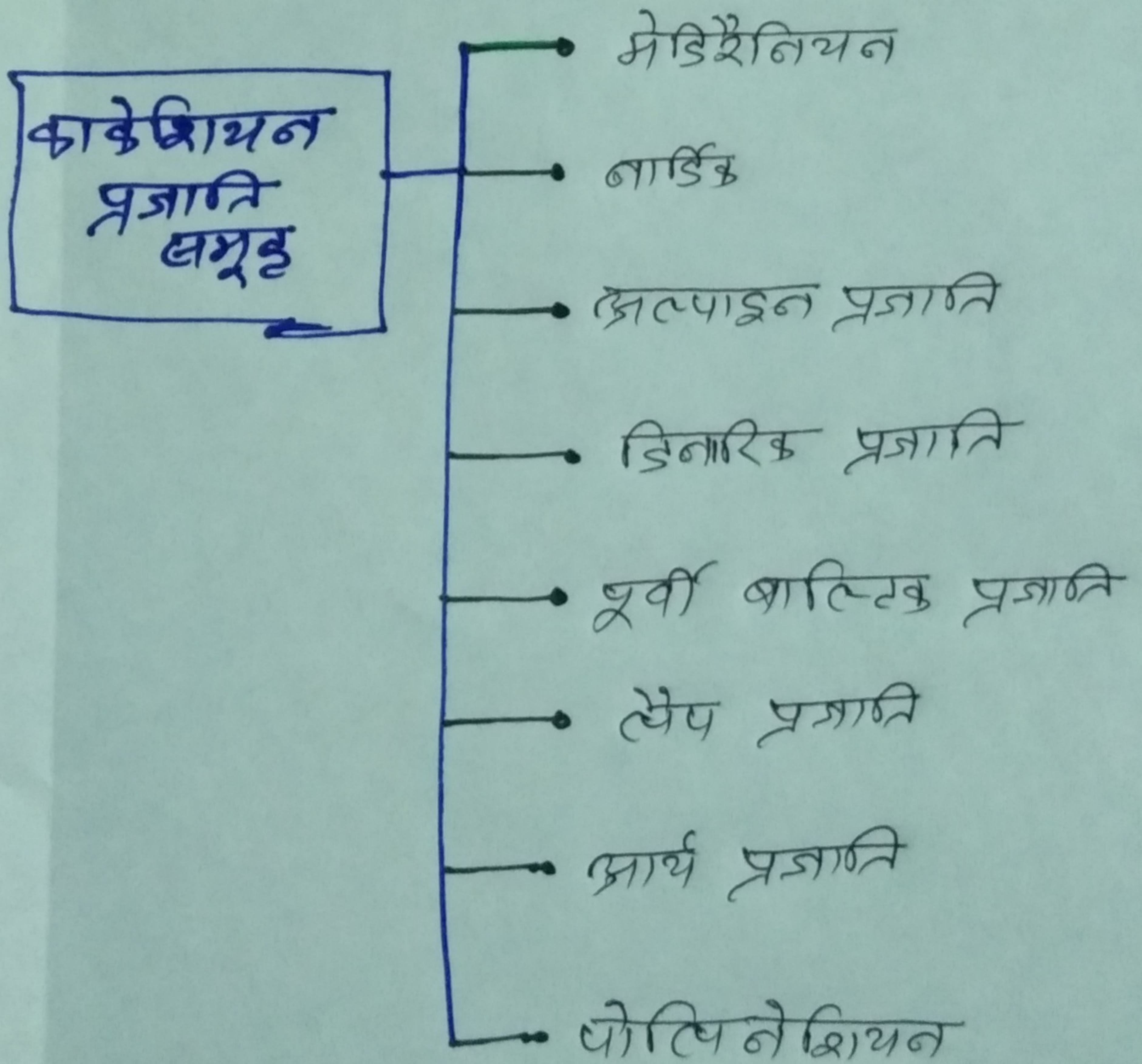
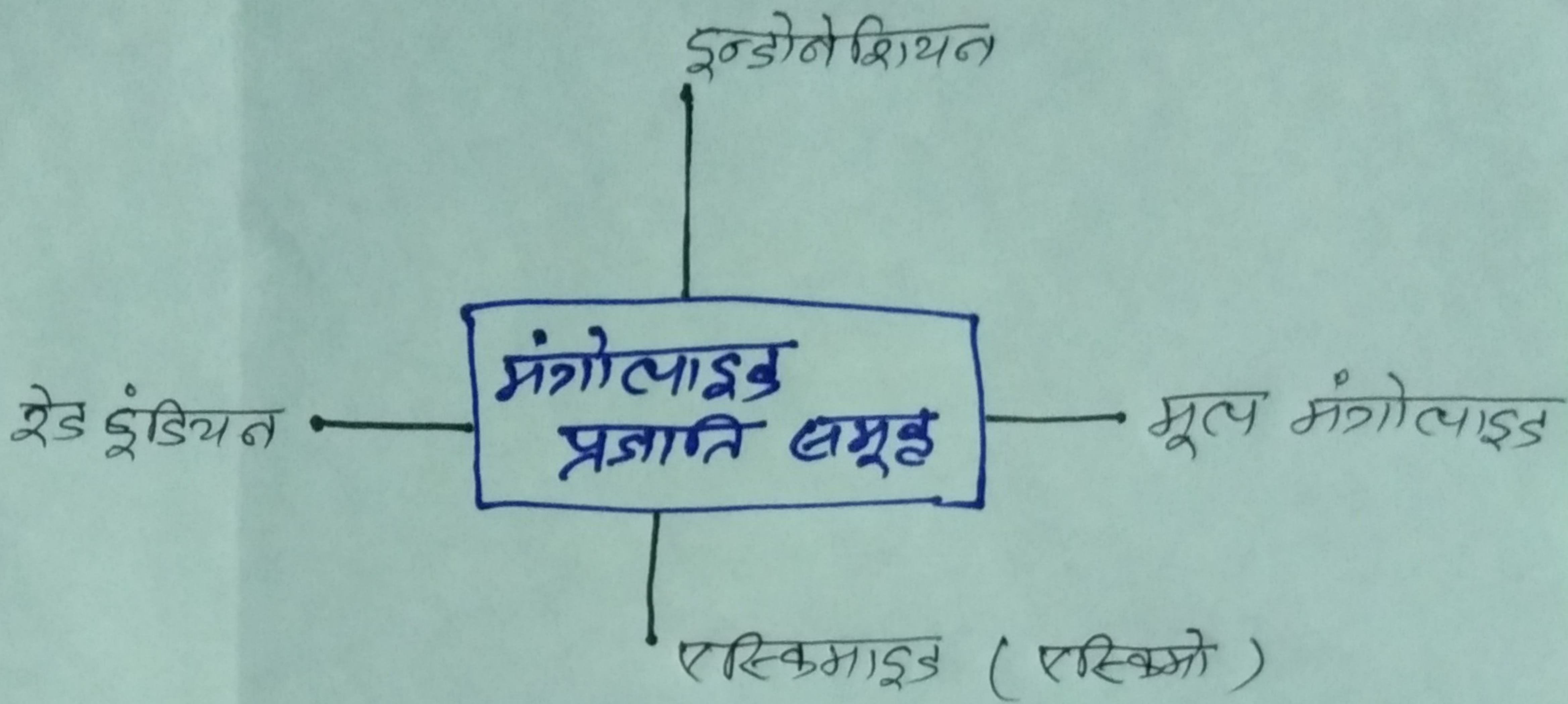
- ① Nigrito
- ② Alpine
- ③ Mongolic
- ④ Australoid
- ⑤ Negro
- ⑥ Nordic
- ⑦ Mediterranean

① Nigrito :- सर्वाधिक पुरानी प्रजाति Nigrito अपने उदगम स्थल से सबसे पहले दक्खिणतन्त्र कोकर बढ़ते हुए महाद्वीपों के द्वीपों तक पहुँच गए। Nigrito लाले रंग, काला या चाँकलेटी रंग, चौड़ी और चपटी नाक, पतले और दृष्टिकार वाले आंगों की और निकला हुआ जबड़ा, 70 से कम कपाल घुनकांक प्रादि लक्षणों से युक्त होते हैं।

② Australoid :- उदगम कर्म में तीसरी प्रजाति ऑस्ट्रेलियायड का खिर लम्बा (72-74 कपाल-घुनकांक) इनी व्युंशाले बाल, काला चमकदार रंग, जबड़ा आंगों निकला हुआ और नाक चौड़ी होती है।

# क्रोबेर का प्रजाति वर्गीकरण एवं विश्व - वितरण :-





—:0:—